

ASHA ARCHIVES

3741 374 374

1356

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

31/11/2014

1356

ASHA ARCHIVES

ॐ नमः श्रीगुरुभ्या इत्युक्तं ॥ अथ श्रीनिष्ठापनं दधकूटं चक्राद्यावयाय ॥ श्री
ब्रह्मदयी मालकाधूनका उवाच ॥ श्रीब्रह्मदं कर्माचार्यते यत्कर्ममुपस
कीलकावनापनयाय ॥ पद्मवर्कं यन्नागवर्कं यत्पूजितं लिलिङ्गायकं
॥ वलियातरे चन्द्रवलि तमगव पद्मगुणका कुमालिगुणका वक्राधानं य
कायकाः श्रीगुरुगङ्गा नमः श्रीगङ्गाय नमः ॥ श्रीगङ्गाय नमः ॥ श्रीगङ्गाय नमः
नमः ॥

नमस्तु ॥ श्रुधानामस्तु नमस्तु ॥ १० ॥ श्रुवास्तु ॥ याते मूडा ॥ धूप दीप नैवेद्य ॥
जय ॥ कृष्णान्त १०८ ॥ ३४ ॥ १० ॥ साध ॥ निर्वर्णिनिर्विकल्प्यादि ॥ श्रुगन्धादिवाक् ॥
श्रुत किलकविसर्जन ॥ ॥ तत्ता पूर्वदिद्वालवधन ॥ यजमान किलकाष्टन
कापालकादाव श्रुवाथन यजारुल ताहान यजादाव ॥ पूर्वद्वालया यिवनखस
किलकोलायनयाय ॥ ॥ वाद्याय ५४ मूसाय ५५ ॥ वृद्धिकयत ५६ ५७ नूद्वय ५८
५९ ॥ इत्येवाय यता मूसाय ५६ ५७ ॥ सक्तिनयिल ॥ ५८ ५९ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥

वसिष्ठ २

मानत किलककादाव श्रुवाथन नमस्तु नमस्तु ॥ ५६ ५७ मूसाय ५८ ॥ ५९ ॥ वि
सक्तिरुतननाम लोकयाय कामदा ॥ तिष्ठतु नमस्तु ५६ ५७ ॥ नायकदिकनामदा ॥ ॥
कायसत किलिगाय श्रुधानामस्तु नमस्तु ॥ नकापालत दययमस्तु ॥ ॥ मूर्धयायन
हाय श्रुत उकारवायवीर्ज ॥ वितसिष्ठ जजाम स्वानम ॥ पुजत ॥ ५६ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥
५६ ५७ ॥ ५८ ५९ ॥ ५६ ५७ ॥ ५८ ५९ ॥ ५६ ५७ ॥ ५८ ५९ ॥ ५६ ५७ ॥ ५८ ५९ ॥
५६ ५७ ॥ ५८ ५९ ॥ ५६ ५७ ॥ ५८ ५९ ॥ ५६ ५७ ॥ ५८ ५९ ॥ ५६ ५७ ॥ ५८ ५९ ॥

५६ ५७ ॥ ५८ ५९ ॥ ५६ ५७ ॥ ५८ ५९ ॥ ५६ ५७ ॥ ५८ ५९ ॥ ५६ ५७ ॥ ५८ ५९ ॥ ५६ ५७ ॥ ५८ ५९ ॥

३
 मदीयनेवद्य ॥ जय ॥ लो साहा १० ॥ ता ॥ ॐ ह्येव सर्वथा यवा न्यतसमाह
 ता ॥ वलिगय ॥ प्रयका ॥ मि सर्वगुरुमक्तिर् ॥ अगगधादिवा ॥ अजमान
 न ॥ अवायन ॥ यथा ॥ कत ॥ ला ॥ गारुकि ॥ नमस्कान ॥ ॐ निपूर्वदिपूजा ॥ ॐ यता ॥
 मता ॥ ॐ ॥ वा ॥ यथा ॥ हरिकयन ॥ सविनयित ॥ किल कताया ॥ न किलिगायन
 काया ॥ लता ॥ अर्चय ॥ न हाय ॥ उकारवायवीजी ॥ चन्दनादि ॥ सानता ॥ वलिग ॥ पूज
 न ॥ ॐ ॥ कौ ॥ नौ ॥ नौ ॥ नौ ॥ अर्चनमः ॥ विधा ॥ अ ॥ वलि ॥ ॐ ॥ कौ ॥ मा ॥ ह ॥ न ॥ नी ॥

३ ३ ३ ३ ३
 नरेन ॥ यनमः ॥ वलि ॥ ॐ ॥ कौ ॥ कौ ॥ वलि ॥ गुरु ॥ रखा ॥ अवा ॥ कता ॥ मकि ॥ थानि ॥ मजा ॥
 धूपदीपनेवद्य ॥ जय ॥ नौ ॥ साहा १० ॥ ता ॥ अ ॥ नरे ॥ सा ॥ सर्वथा ॥ यवा ॥ न्यतसमाह
 ता ॥ वलिगय ॥ प्रयका ॥ मि ॥ सर्वगुरुमक्तिर् ॥ अजमान ॥ अवायन ॥ यथा ॥ कत ॥
 ला ॥ गारुकि ॥ नमस्कान ॥ ॐ नि ॥ म ॥ नि ॥ दि ॥ कि ॥ नि ॥ कौ ॥ ॥ तता ॥ दि ॥ ॐ ॥ कता ॥ यथा ॥
 वा ॥ यथा ॥ हरिकय ॥ सविनयित ॥ किल ता ॥ न किलिगाय ॥ न काया ॥ लता ॥ वलिग ॥
 अर्चय ॥ न हाय ॥ उकारवायवीजी ॥ विग ॥ सिध ॥ अज ॥ सानता ॥ पूजन ॥ ॐ ॥ कौ ॥ मा ॥

[illegible]

किलकावलायनं ॥ ॥ तपोवायु ॥ हवाया ॥ वायु ॥ वृद्धि कयनी ॥
 सखितयिला ॥ किलकाय ॥ नकिलिनाय ॥ लकाया ॥ वलि ॥ नृचपायनला
 य ॥ नन्दनादिसानता ॥ पूजन ॥ ॐ कौं यौ यौ यौ वायुयायनमः ॥ विष्णु ॥ म
 न ॥ वलि ॥ ॐ कौं यौ यौ यौ कयालीसुनवाय ॥ नमः ॥ वलि ॥ ॐ कौं कौं कौं व
 लिगृक ॥ शाला ॥ आवाक ॥ ॥ यानिमूडा ॥ धूप दीपनैवय ॥ जय ॥ यौं खाला ॥
 ॥ गण ॥ वायुयाधियति ॥ येव यवायतनमासुता ॥ वलिगयायकानि ॥ ॐ सर्वग

क्रिस्तुमहिर् ॥ मृगगन्धर्वि वाक् ॥ अजमान आचर्य ॥ यथाक्रमेण तां वलि ॥ नम
स्कारं लंकवा ॥ नृति वायव्य किन्क ॥ ॥ नमो उरु ॥ कयाथा ॥ वाद्याथा ॥
वह्नि कथनी ॥ सखिनयिल ॥ किलकगाथ ॥ नकिलिगाथ ॥ नकायासता ॥ वलि ॥
मूर्धन्यायन हाथ ॥ उकावी ॥ चन्दनादि स्वातता ॥ पूजन ॥ **ॐ क्रौं सौं ह्रीं** मूर्ध्ना कव
नाथनमः ॥ शिक्षा ॥ वरुण ॥ वलि ॥ **ॐ क्रौं सौं ह्रीं** मूर्ध्ना कव
वलि ॥ **ॐ क्रौं सौं ह्रीं** वलि ॥ कश्चा हा ॥ आवाक् ॥ गजा याति मया ॥ धूप दीप न

विद्य ॥ अय ॥ मूर्ध्ना हा ॥ गाथा ॥ कवनाथाथ सर्वथा यथाथा उरुनास्त्रिता ॥ वलि
नकायायका ॥ मिसर्वगृह क्रिस्तुमहिर् ॥ मृगगन्धर्वि वाक् ॥ अजमान आचर्यन ॥
यथाक्रमेण तां वलि ॥ नमस्कारं लंकवा ॥ नृति उरु किन्क ॥ ॥ नमो उरु
मानस ॥ पूषवता ॥ वाद्याथा ॥ वह्नि कथनी ॥ सखिनयिल ॥ किलकगाथ ॥ नकिलि
गाथ ॥ लकायालगा ॥ वलि ॥ मूर्धन्यायन हाथ ॥ उकावी ॥ चन्दनादि स्वातता ॥ पूज
न ॥ **ॐ क्रौं सौं ह्रीं** मूर्ध्ना नानाथनमः ॥ शिक्षा ॥ वरुण ॥ वलि ॥ **ॐ क्रौं सौं ह्रीं** मूर्ध्ना

सि गीतानरुनवायतसः॥ वलि ॥ **ॐ श्री श्री** वलिगृह २ खाला ॥ आवाका ॥ विमू
 ल ॥ थानि मूडा ॥ धूय दीय न वद्या ॥ जय ॥ **ग्री १०** ॥ गग ॥ **ॐ** नूडा दिख्य अ सर्वे
 यवा यडरु नाहि ता ॥ वलि मया प्रयक्ता मि ॥ **सर्व** गृह कुमदिता ॥ **गृह** ग ॥ **वा** क
 कृमान ॥ **आवा** यन ॥ **पू** या क ग ला जा वृदि ॥ **नम** स्कार ॥ **त** **ग** **म** **ध** ॥ **क** या
 या **ध** र ॥ **वा** य ॥ **य** **र** **ह** **क** य न ॥ **क** **ि** **ल** **क** **ग** **य** ॥ **ॐ** **स** **न** **ि** **र** **ग** **म** **न** **ा** **म** **ध** **ा** **दि** ॥ **व** **लि**
या **ग** **१** ॥ **क** **ि** **ल** **क** **यू** **ज** **न** ॥ **ह** **ै** **र** **१** **०** **॥** **स** **ं** **र** **वा** **र** **का** ॥ **शि** **का** ॥ **ष** **ठ** **१** ॥ **व** **लि** ॥ **व** **र** **ना** **या**
 चन्दनादि स्नान ॥ **ॐ** **ध** **ी** **या** **दि** ॥ **गृ** **ह** **म** **न** २

दिना ॥ मज किदि ॥ **ध** **त** **न** **व** **लि** ॥ **ग** **ि** **र** **वा** **य** **ध** **ध** **त** ॥ **व** **लि** ॥ **पू** **न** **व** **लि** ॥ **ॐ** **श्री** **रू** **ग** **य** **वि**
 विधिकाय ॥ **आ** **वा** **क** ॥ **ध** **नू** **थ** **ानि** **मू** **डा** ॥ **धू** **या** **दि** ॥ **ज** **य** **ह** **ै** **र** **खा** **१०** ॥ **स** **ं** **र** **खा** **१०**
॥ **ग** **ग** **१** ॥ **ॐ** **श्री** **ग** **व** **दी** **वि** **त** **न** **दी** **जा** **क** **वी** **पू** **रु** **ता** **या** **जा** **व** **दा** **का** **स** **मा** **म**
ग **ग** **ध** **ग** **ध** **ति** **म** **य** **ति** **व** **ग** **ध** **स** ॥ **जा** **व** **दु** **म** **ा** **पि** **ना** **कि** **रु** **वि** **वि** **म** **ल** **ज** **ल** **व** **द** **सि** **द्धा** **क** **वा**
धि **जा** **व** **त** **थो** **ग** **थ** **ग** **स** **ज** **न** **य** **वि** **व** **ता** **व** **र** **त** **ना** **ज** **ल** **की** ॥ **पू** **या** **क** **त** **जा** **वा** **व** **न** **म** **ः**
स्नान ॥ **गृ** **ह** **ग** **ध** **दि** **वा** **क** ॥ **ग्री** **स** **ं** **म** **रु** **ति** **य** **ति** **ठा** ॥ **म** **ध** **य** **स** **इ** **व** **त** **यि** **व** **न** **स** **क** **स**

विनी ॐ यूका झका झकमहाला ॥ ॐ ईश्वरका ॥ मूधावाकुमकुत ॥ श्रुवाय्ययूजा ॥
दक्षिणा ॥ जजमान याथादकन मूरिधकं चन्दनादि स्नानत ॥ वलिविसर्जन ॥ ध
नलखसकाथ ॥ ॥

श्रुयष्टरवदिलीर्व ॥ नकचन्दनभवच । वदनं ग कवृक्षय निवीम सानुसंगति
ठातिमि ॥ मरुजनयेव मू ॥ मवामनसुधा । ननुधमनलग्ज तथाचेवाङ्गनदूम ४
॥ पुनार्गययित ॥ प्रष्टं किलकायचिमणिता । मीनामवर्जयहृदं सकार्थननिथाज
यत् ॥ किलककाष्ट ॥ कायाकृति नकाकृति मूयगाकृति हामविधान किलका
वलायनविधिषा ॥ मूहानागजकस किलकावलायन याथममाल ॥ ॥
ॐ यूका झका झकन मूकुमकुत जयधमकु ॥ ॐ ईश्वरका यथायुयगा मय मूकायहृद ॥

सतच्छिष्यवज्रधर्मद्वयसिद्धिस्तद्विद्वत्तत्त्वज्ञानवत्कायाथरुना ॥ ॐ ॥ ॥ मूलाचार्यसंज्ञया
साय ॥ कामाचार्यन, कर्ममधुलस, भूषयातन ॥ नञ्पूजन ॥

१कायादु निरुनसा ॥ काठिजव, काठिभूदग, काठिहामल ॥ धर्मरथदाव, कादू
यागुसद्वधदाव, यूरुनीदयक ॥ धयाइवन, नवनत, सुवर्धु, डाहायल, कीनादि
सर्ववनरुथन, ननाकानयादाव ॥ दक्षिण ३, ऊजमक्रादू, कादूखानमाल, कादूक
उखर्ग, कादूलरु, कादूयूरुका, कादूम, धर्मनतियकाव ॥ काठिभूरुवि, यूरुमधुय
या, नैमिषालहवन ॥ निवक्तनादि, दीयनाहनका ॥ सधना, श्रीगीवदि ॥ ऊजमानत ॥
लेखधनथर्षी, ऊरुमधुयजवनर्षी, मधुयदायाव, मधुयदुर्गयदाव, ऊरुकुरुयाज

जवलास पूरुकेडा मीतवस मूरुपयवायाव पूरुवित धयाकवन वलियाग
मूरुपयवत गधयुन मूरुपयवता नमकावयादाव शितलेनावम मूरुपयवत
मूरुपयवत मूरुनमकावादि बाधयाम वीतसिन्हास जलयाग मूरुपयवत मूरुपयवत
दिशालमूरुजा ततायूरुविनाधयम । **खंकां श्रीं श्रीं** ननादिनो मिखायां याइकी मूरुजा
मि **श्रीं श्रीं श्रीं** ॥ **खंकां** यमयुद्धमिनामालाययीयूरु ॥ **खंकां** सतिदह्ये मूरुमिनामाला
यी ॥ **खंकां** दिमालिनीयास ॥ ॥ ततामदनामियास ॥ ॥ तताधानिकाक ॥

प्रिविधान्यास ॥ ॥ यन्किं न्यास ॥ ॥ दादममन्यास ॥ ॥ **उं** **उं** दयायईरुदुनम
॥ **उं** **उं** श्रीं मिनसईरुदुखाहा ॥ **उं** **उं** मितायेईरुदुई ॥ **उं** **उं** कवकायईरुदुई ॥ **उं** **उं** न
जयायईरुदुवीषट् ॥ **उं** **उं** मूरुकायईरुदु ॥ **उं** **उं** कां मूरुपयमहायायुपतासायई
रुदु ॥ **उं** **उं** कां मूरुधामकां सर्वात्मने श्रीं उहायां नमः ॥ **उं** **उं** कां धधामकां यववक्तवर्जनी
यां नमः ॥ **उं** **उं** कां धधामकां नकवईका विनीमधमायां नमः ॥ **उं** **उं** सर्वमसर्वसर्वया **उं** **उं** पि
मनमस्तामिकायां **उं** **उं** कां ससससतिदूपायकां कनिहावीषट् ॥ **उं** **उं** कां नमस्तु

मनमस्तामिकायां



ASHA ARCHIVES

SHON 372 2421

1.356

ASHA ARCHIVES

१ॐ नमः श्रीमद्गणेशाय दूवन नित्य कर्म धून दाउ
दूवन गाल वाचक कलस याग अष्टपत्र वाक
अष्टलसुवाय कसुयाग त्रिकाल खड्गान वाक
वाय कसुयाकाने गुणाय याग त्रिकाल वाक
वाय द्रुतकन सिद्ध याग वाय बलिमालका

यान् वाय वलि माल का सा खि स खन्य कु फलु
आ आदिन वरु द ला यार्थ शाय वाय उ थ
इ व न द व ना द ल सि ध न नाल प च न न सि ध
ल अ उ म का दि हि क लु प ना का पं के प ना का
अ द वा न खान न ध न इ व न गा न ला व क

पि व न क म शी पा उ सा ध न क त्या क म शी पा उ
व लि वा क वा य अ द पा उ या न शि व र्त्त ना
व म अ द्या दि वा क न स ह अ उ मा न स
पा व न्य क म म हा पा उ सा ध न नि मि त्या र्त्त न
गु व न स्का न क त्या अ थ न्या स व नि ली न्या

स मूलनन्यास अथात्रामुन्यास उंज विद्या नय २ वि
द्वि २ रु ३ रुट अमु यरुट केन ॥ १॥ धन उंज झांजी
द्रु पु रु न २ अ रु रु काय नम उंज धात्र २ न न न
२ न रु न्याय स्वा हा उंज नृप चट २ पु चट २ म ध्व
मा ये वो षट् उंज के रु २ व म २ अ ना मि का य रु

उंज दम २ द्या नय २ रु नि रु काय व षट् उंज विद्या
नय २ वि द्वि नि २ रु ३ रुट अ मु यरुट ॥ ०० गि क
न न्यास उंज झांजी रु पु रु न २ रु द या य नम
उंज धात्र २ न न न न २ मि न ॥ १॥ स्वा हा उंज नृप चट
२ पु चट २ लिखा ये वो षट् उंज के रु २ व म २ रु

नमो हनी देवी रुद्रि स्मि ति कै कालि ली दव दया
 वन नाह विपु हं काल रुद्र नि रुये स्मि त्वा लिय
 दत्वा पाद का तु म्ब न ली अख लु क न मा ना थ
 क न प न लु क्ष न न सक्त न द रु न ना म नु नि द ह
 क न न पि नी शि द व क म्प पू जा उ क्ता

न्यादि वड वतिनि आहा डीं श्रीं हिं हासनाय
नम डीं श्रीं कलकमाय नम उंज मां जान
नदलकि रं नवाने नद श्रीं महाविद्या नाथ श्रीं १५ नी
श्रीं श्रीं कलकमाय दानि कार्य पाद श्रीं को
श्रीं श्रीं ३ वड न उंज श्रीं रुं प्रह नरद

दयानम उद्यान २ तुनरुन २ सिवम स्वाहा नुनपचट
२ पुचट २ लिखा ये पोषट नुकेह २ वम २ केववा
यहे उदम २ द्या नय २ न २ पुनया येवषट नुविः
वि २ द्या नय २ वि वि २ हे ३ रुट अमयरुट वलि
अद्यानामु नयिया जै लि वलि

श्रीपाप्रपूजा असिनाजमदिपूजनं ॐ ऊं असिना
नवाय पादका धनवल्लि ॐ ऊं ननवम हा नवा
यपादका धनवल्लि ॐ ऊं ननुम हा नवायपाद
का वलि ॐ ऊं कोधम हा नवायपादका वलि
ॐ ऊं उत्तरम हा नवायपादका वलि ॐ ऊं

सत्रितादशी सिन्दुनात्रल विग्रहा अक्षादसत्रुजादशी
समुलकालरुषिता श्रीनादमथनालेन अत्रिदुव
नभपत्र सप्तानाहनीदशीरुक्षिस्त्रिनिर्ककादि
दवदद्यावत्रगाह निपूरुका लहेउनि हस्त्रि
लोष्टीयंदत्योपादकापुम्नेश्वनी अखलुके

वसानार्थकरपत्रलुध्वानन स्रक्त्यरुननामन
निदहंकेनत्रपिनी कुरुया कायविद्यादिपु
पत्रममममयवकुहिन्दुनवस्तु



